बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–**cm-539**
01/12/2022

मुख्यमंत्री के समक्ष कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के अन्तर्गत बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के कार्यों एवं बिहार फिल्म प्रोत्साहन नीति का प्रस्तुतीकरण

मुख्य बिन्दु :–

- खिलाड़ियों को बेहतर खान–पान के साथ–साथ प्रशिक्षण एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराते रहें।
- सभी प्रखंडों में स्टेडियम का निर्माण कराया जा रहा है। बचे हुए स्टेडियमों का निर्माण जल्द पूर्ण कराएं।
- स्टेडियमों की साफ–सफाई और मेंटेनेंस की बेहतर व्यवस्था रखें।
- राज्य में फिल्म साइट के लिए पहाड़ों एवं अन्य प्राकृतिक जगहों को विकसित किया गया है। यहां कई दर्शनीय स्थल भी हैं।
- यहां फिल्म निर्माताओं के लिये प्रक्रिया को और सरल बनायें तथा बेहतर सुविधा उपलब्ध करायें ताकि फिल्म निर्माण करने में उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई न हो।
- राज्य में फिल्म निर्माण से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और लोक कलाकारों को भी मौका मिलेगा साथ ही रोजगार के नये अवसर सृजित होंगे।

पटना, 01 दिसम्बर 2022 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के समक्ष 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के अंतर्गत बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के कार्यों एवं बिहार फिल्म प्रोत्साहन नीति का प्रस्तुतीकरण दिया गया।

बैठक में बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक श्री रवीन्द्रण शंकरण ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के उद्देश्यों, अब तक किए गए कार्यों, प्रतिभा पहचान प्रशिक्षण कार्यक्रम, खिलाड़ियों को तत्काल सम्मान एवं नकद पुरस्कार आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिहार खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। बेटों के साथ–साथ यहां की बेटियां राष्ट्रीय स्तर के खेलों में और अच्छा प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार जीत रही हैं और राज्य सरकार के द्वारा दी जा रही सुविधाओं एवं सहयोग की सभी जगह सराहना कर रही हैं। बिहार स्पोर्ट्स डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बिहार के कई पूर्व खिलाड़ी यहां आकर खिलाड़ियों को प्रशिक्षित और प्रेरित करना चाह रहे हैं।

कला, संस्कृति एवं युवा विभाग की सचिव श्रीमती बंदना प्रेयसी ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बिहार फिल्म प्रोत्साहन नीति के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने इसकी पृष्ठभूमि, प्रारूप, प्रभाव एवं आवश्यकता के संबंध में जानकारी दी।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में खेलों के विकास के लिए कई कदम उठाए गए हैं। खिलाड़ियों को तत्काल सम्मान एवं नकद पुरस्कार प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित किया जा रहा है। सरकारी सेवाओं में उनकी नियुक्ति की जा रही है। खिलाड़ियों को बेहतर खान–पान के साथ–साथ प्रशिक्षण एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। उन्हें हर प्रकार की सुविधायें उपलब्ध कराते रहें। उन्होंने कहा कि सभी प्रखंडों में स्टेडियम का निर्माण कराया जा रहा है। बचे हुए स्टेडियमों का निर्माण जल्द पूर्ण कराएं। स्टेडियमों की साफ–सफाई और मेंटेनेंस की बेहतर व्यवस्था रखें। वहां खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और खेलों का आयोजन कराते रहें। स्कूलों में बच्चे–बच्चियों की पढ़ाई के साथ–साथ खेल–कूद की भी बेहतर व्यवस्था रखें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में फिल्म निर्माण के प्रोत्साहन के लिए भी कई कदम उठाए गए हैं। राजगीर में फिल्म सिटी का निर्माण कराया जा रहा है। नवादा में शेखोदेवरा को विकसित किया गया है। फिल्म साइट के लिए पहाड़ों एवं अन्य प्राकृतिक जगह विकसित किए गए हैं। यहां कई दर्शनीय स्थल भी हैं। यहां फिल्म निर्माताओं के लिये प्रक्रिया को और सरल बनायें तथा बेहतर सुविधा उपलब्ध करायें ताकि फिल्म निर्माण करने में उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई न हो। राज्य में फिल्म निर्माण से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और लोक कलाकारों को भी मौका मिलेगा साथ ही रोजगार के नये अवसर सृजित होंगे।

बैठक में वित्त, वाणिज्यकर सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री श्री जितेंद्र कुमार राय, मुख्यमंत्री के परामर्शी श्री अंजनी कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री आमिर सुबहानी, विकास आयुक्त श्री विवेक कुमार सिंह, वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव सह मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग की सचिव श्रीमती बंदना प्रेयसी, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक श्री रवीन्द्रण शंकरण, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के अपर सचिव श्री दीपक आनंद सहित अन्य वरीय अधिकारी मौजूद थे।

******